



वशिव रेबीज़ दविस, 2024

[स्रोत: द हट्टि](#)

वशिव रेबीज़ दविस प्रतवर्ष 28 सतिंबर को मनाया जाता है जसिका उद्देश्य इस प्राणघातक रोग के बारे में पूरव की गलत धारणाओं पर चतिन करने और साथ ही इसकी रोकथाम और नयितरण के लयि टीकों एवं आधुनकि कारयनीतयिों को उन्नत करने हेतु कयि जा रहे नरितर परयासों पर प्रकाश डालना है।

रेबीज़ क्या है?

परचिय:

- यह एक टीका नविरय, वायरल **जूनोटकि रोग** है।
- यह रोग **राइबोनयुकलकि एसडि (RNA) वायरस** के कारण होता है, जो उन्नत पशुओं (कुत्ते, बलिली, बंदर इत्यादी) की लार में मौजूद होता है।
- मानव में इसका संचरण मुख्य रूप से संक्रमित कुत्तों के काटने से होता है तथा समय पर टीकाकरण से पूरणतया इसका नविरण कयि जा सकता है।
- इसके प्रथमत: नैदानकि लक्षण दखिने के बाद, रेबीज़ लगभग 100% प्राणघातक होता है। **कारडयि-शवसन वफिलता** के कारण मृत्यु हमेशा चार दनि से दो सप्ताह के भीतर होती है।
 - इसकी इन्क्युबेशन अवधि प्राय: 2 से 3 माह होती है कतिु यह 1 सप्ताह से 1 वर्ष तक या कभी-कभी इससे भी अधिक हो सकती है।
- लक्षण:** रेबीज़ के शुरुआती लक्षण फलू जैसे हो सकते हैं और कुछ दनों वदियमान रह सकते हैं।
 - शामलि लक्षण:** बुखार, सरिदरद, मतली, उलटी, चतिता, अतसिक्रयिता, नगिलने में कठनिई, अत्यधिक लार आना, मतभिरम, अनदिरा (नीद वकिार)।

वशिव रेबीज़ दविस (WRD) के बारे में हमें क्या जानना चाहयि?

परचिय:

- इसकी शुरुआत प्रथमत: वर्ष 2007 में की गई थी। यह **लुई पाश्चर** की पुण्यतथिका प्रतीक है, जनिहोंने पहला रेबीज़ टीका वकिसति कयि था।
 - लुई पाश्चर एक फ्राँसीसी रसायनज्ञ, फार्मासिस्ट और सूक्ष्म जीववज्जिानी थे, जो टीकाकरण, सूक्ष्मजीव कणिवन और पाश्चरीकरण के सदिधातों की खोजों के लयि प्रसदिध थे।
- वशिव **स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने 2030 तक कुत्तों से संचरति होने वाले रेबीज़ को समाप्त करने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य नरिधारति कयि है।

वषिय:

- वशिव रेबीज़ दविस 2024 का वषिय है 'बुरेकगि रेबीज बाउंडरीज़'।
- यह वन हेल्थ दृष्टकिण पर ज़ोर देता है, जो मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और परयावरण क्षेत्रों के बीच सहयोग पर आधारति है।

भारत में रेबीज़ संबंधी तथ्य क्या हैं?

भारत में रेबीज़:

- 2021 में, भारत में रेबीज़ से 59,000 लोगों की मृत्यु हुई, जो वशिव में हुई कुल मृत्यु का 35% है, इनमें से 96% मृत्यु कुत्तों के काटने के कारण हुई।
- भारत में कुत्तों से संचरति होने वाले रेबीज़ के नविरण की लागत लगभग 8.6 बलियन अमेरिकी डॉलर थी।
- रेबीज़ की रोकथाम के लयि नए **रेबीज़ इम्युनोग्लोबुलनि (रेबीज Ig) टीके** का उपयोग कयि जाता है।
- कुत्ता जनति रेबीज़ उन्नमूलन के लयि भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPRE):**
 - 2030 तक रेबीज़ को समाप्त करने के लयि स्वास्थ्य एवं परविर कल्याण और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा 2023 में इस योजना की शुरुआत की गई। जसिमें शामिल तत्त्व नमिनवत है:

- **जागरूकता:** रेबीज़ के बारे में जन जागरूकता का उत्थापन करना ।
- **नगिरानी:** नगिरानी और स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करना ।
- **टीकाकरण:** मनुष्यों और कृत्तों के लिये रोगनसिधी टीकाकरण ।
- **कृत्तों की संख्या का प्रबंधन**
- रेबीज़ वैक्सीन के स्टॉक की वास्तविक समय पर नगिरानी और लाभार्थियों का रिकॉर्ड दर्ज करना ।

रेबीज़ के उपचार हेतु भारत की पहल

- [राष्ट्रीय रेबीज़ नियंत्रण कार्यक्रम \(NRCP\)](#)
- [पशु जनम नियंत्रण \(ABC\) कार्यक्रम](#)
- [एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण](#)
- रेबीज़ नियंत्रण नीतियों को सुदृढ़ करने और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन और OIE के बीच सहयोग ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. नमिनलखिति रोगों पर वचिार कीजयि: (2014)

1. डपिथीरयिा
2. मसूरकिा
3. चेचक

ऊपर दयि गए रोगों में से कौन-सा/सी रोग का भारत में उन्मूलन कयिा गया है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) 1, 2 और 3
- (d) कोई नही

उत्तर: (b)

प्रश्न. 'पुनःसंयोजति (रीकॉम्बिनेंट) वेक्टर वैक्सीन' से संबंधति हाल के वकिास के संदर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. इन वैक्सीनों के वकिास में आनुवंशकि इंजीनयिरी का प्रयोग कयिा जाता है ।
2. जीवाणुओं और वषिणुओं का प्रयोग रोगवाहक (वेक्टर) के रूप में कयिा जाता है ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)